उच्च तकनीक आधारित निर्यातन्मुख अनार उत्पादन पर कार्यशाला

नाबार्ड द्वारा वित्तपोषित निर्यात हेतु अनार उत्पादन माडल प्रोजेक्ट के तहत संस्थान में 8 जनवरी को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केन्द्र सोलापुर की निदेशक डा. ज्योत्सना शर्मा ने कहा कि नवीनतम तकनीकियों से देश भर में अनार का उत्पादन बढा है तथा इसमें निर्यात की काफी संभवनाऐ है। इसके लिए अच्छी गुणवत्ता वाली किस्मों का उत्पादन लेने की जरूरत है। उन्होने बताया कि सोलापुर लाल किस्म की अनार विकसित की गई है जिसका रंग व आकार अच्छा एवं पौष्टिकता से भरपुर है तथा प्रसंस्करण के लिए बहुत अच्छी है। वाईन मेकिंग भी इसका उपयोग हो रहा है।

अरब देशों ब्रिटेन नेपाल थाईलैण्ड रूस अमरीका में निर्यात हो रहा है। अच्छे कलर आकार पोषकता से भरपुर राउण्ड सेप को विदेशों में बहुत पसन्द किया जाता है। उन्होंनें अनार उत्पादन के बारे में विस्तृत से जानकारी दी। संस्थान के निदेशक डा. ओ.पी. यादव ने कहा कि बाड़मेर जिले में अनार की खेती में काफी प्रगति हुई है। राजस्थान में भी अनार खेती का क्षेत्र बढा है लोगों में जागृति आई है। अधिक उत्पादन होने से इसमें प्रसंस्करण की आवश्यकता ताकि किसान को अधिक आमदनी हो सके। सोलापुर लाल किस्म की अनार का भी यहा परीक्षण किया जायेगा। । उन्होंनें कहा कि किसान एफपीओ बनाये पुरी जानकारी ले अपना ब्राण्ड नेम बनाये ताकि वह फल उत्पाद बाजार में अपनी पहचान बनाये और सरलता से बेचा जा सके। उन्होंनें संस्थान की अन्य तकनीकियों एवं युवाओं के लिए कृषि में रोजगार हेतु एग्री बिजनस इन्क्यूबेटर सेन्टर पर भी विस्तार से चर्चा की। परियोजना अन्वेषक डा. अकथ सिंह ने बताया कि परियोजना के तहत निर्यातन्मुख हाईटेक अनार उत्पादन माडल के विकास के लिए शोध जारी है। बरसात के पानी से अनार की उपज लेना और सेंसर से ग्रेडिंग करके निर्यात योग्य फसल तैयार करना । इस माडल से अच्छी गुणवत्ता वाली अनार निर्यात हो पायेगी इससे किसानों को अच्छा पैसा मिलेगा। इसकी खेती में लागत कम आयेगी तथा आमदनी अधिक होगी। प्रधान वैज्ञानिक डा.पी.आर मेघवाल ने अतिथियों का स्वागत किया तथा शुष्क फलोउद्यानिकी के बारे में विचार रखें। कार्यकम के संचालन डा पी. सान्तरा ने किया। इस अवसर पर प्रर्दशनी में संस्थान के द्वारा अनार अमरूद बेर गुन्दा आवलां कि विभिन्न किस्मों तथा घर में सब्जियां उगाने के लिए हाइड्रोपोनिक्स सिस्टम को प्रर्दशित किया गया। वेद ऋषि कोरोमण्डल इन्टरनेशनल लिमिटेड दयाल फर्टिलाईजर नेटाफिम द्वारा प्रर्दशनी लगाई गई । कार्यशाला में कृषि विभाग कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।